विरोध › भारतीय किसान संघ ने की कृषि मंत्री पवार की आलोचना

जीएम फसलों के शोध पर रोक की मांग

अहमदाबाद

ahmedabad@patrika.com

भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने कथित तौर पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों से खेतों में जीएम फसलों पर शोध के लिए मंजूरी देने की सिफारिश करने की आलोचना की है। बीकेएस के राष्ट्रीय महामंत्री अंबूभाई पटेल व जतन के कपिल शाह ने गुजरात में जीएम फसलों के शोध पर प्रतिबंध की मांग की है।

पटेल व शाह के अनुसार इस सम्बन्ध में उच्चतम न्यायालय की नामांकित तटस्थ वैज्ञानिकों की समिति की रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि देश में जीएम फसलों का खेतों में प्रयोग के खतरे को मंजूरी नहीं देनी चाहिए। पूरी रिपोर्ट तैयार होने में समय लगेगा लेकिन अंतरिम रिपोर्ट में बताया गया है कि जीएम फसलें भारत की फसलों में विविधता के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती हैं। जब देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की नियुक्त समिति ही जीएम फसलों पर शोध के रोक के पक्ष में हो तो सभी राज्य सरकारों को विशेषकर गुजरात सरकार को ऐसे प्रयोग पर प्रतिबंध लागू करना चाहिए।

याद रहे गत अगस्त माह में सभी राजकीय पक्षों के 31 सदस्यों की बनी खेती विषयक संसदीय समिति ने भी संसद के समक्ष सर्वसम्मति से पेश की रिपोर्ट में जीएम फसलों के प्रयोग बंद करने की सिफारिश की है। पटेल के अनुसार ऐसे में पवार का हाल ही मुख्यमंत्रियों को लिखना कि पारम्परिक तकनीकें खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से अपर्याप्त हैं और ऐसे में जीएम फसलें विकसित करने के वैज्ञानिक प्रयासों को मंजूरी दी जानी चाहिए। केन्द्रीय कृषि मंत्री का यह कदम देश के हित में नहीं है। *(का.सं.)*